व्यवसाय परिचय (Trade Introduction)

उद्देश्य- इस पाठ के अन्त मे आप निम्न के योग्य होगे

- **पोशाक की भूमिका का वर्णन करने में**
- **व्यवसाय के भविष्य के दृष्टिकोण को बताने में ।**

व्यवसाय का परिचय (Trade Introduction)

पोशाक की भूमिका (Role of Clothes)

मानव के जीवन में भोजन तथा आश्रय के अतिरिक्तत, कपडा मूल आवश्यकता है। कपडो के मुख्य तीन कार्य निम्नुसार कहे जा सकते है।

बचाव (Protection): कपडे, महिला तथा पुरूष के नंगाप्न या नग्नपता को ढकते है। ये कार्य करते समय या अन्य क्रियाओ के समय चोट लगने से बचाते है।

सजावट (Decoration): कपडो को कार्य श्रंगार भी होता है। व्यक्ति विभिन्न स्थितियों में विभिन्न पोशाक पहनते हैं। प्रतिदिन पहनने वाले पोशाक शुभअवसरों पर पहनने वाले पोशाको से भिन्न दिखते है। सजावटी पहलू का उपयोग पोशाक पहने हुए व्यक्ति को व्यक्तिगत पहचान दिखाने के लिए भी दिया जाता है।

पहचान (Identification): पोशाक का कार्य, समाज या व्यक्तियों के विशेष समूह के भाग को बताता है। आनंद दायक पोशाक तथा राष्ट्रीय पोशाक के साथ-साथ पुलिस, या छात्रों के परिधान इसके उदाहरण है।

व्यवसाय का उद्देश्य तथा भविष्य का द्दष्टिकोण (Scope and prospects of the trade)

लोगो ने बिना सिली पोशाक पहनना प्रारम्भ किया, अर्थात फर तथा जानवर के कोट तथा फेब्रिक के बुने हुए टुकडे, जो शरीर के चारो ओर लटकते थे।

शरीर के ऊपरी तथा निचले भाग के लिए सिले हुए वस्त्रों के लिए कपड़ो को काटना तथा सीने की आवश्यकता हुई । फैशन अनेक कई पोशाकों को उत्पन्न करते है। पूरे विश्व में फैशल परेड आयोजित की जाती है। साड़ी, ब्लाउज तथा महिलाओं के शर्ट की स्टाइल (ढंग) आकार तथा सजावट के अनुसार बदलती है। यही कारण है। कि पोशाक बनाने के विभिन्न व्यवसायों को भविष्य में अच्छा द्वष्टिकोण है।

पोशाक बनाने के क्षेत्र के कार्य में जनसाधारण की क्रियाये सम्मिलित होती है।

घर पर, आपके तथा आपके परिवार के लिए पोशाक सिलने के लिए तथा दर्जी की दुकान में रोजगार के लिए पैंटर्न बनाना, काटना तथा घटकों (Components) को सीने के लिए आपके कौशल की आवश्यकता होती हैं।

उघोगो में कार्य करने का अर्थ सामान्यतः यह माना जाता है। कि अनेक पोशाकें एक ही पैटर्न से बनाई जाती हैं। यहॉ पर आप उत्पादन (Production) के उच्च विशेषज्ञ (Specialised) सेक्शन में कार्य कर रहे है। जहाँ कपड़ो की अनेक परत काटी जाती है। तथा भागों को उच्च सोफिस्टीकेटेड (संवेदनशील) मशीन से जोड़ा जाता है।

उदाहरण के लिए दर्जी की दुकान जैसे अपने स्वयं के व्यवसाय को लगाने के लिए आपकों मशीनरी तथा औज़ार के लिए कुछ पूंजी लगाना (Invest) होता है। यदि आपके पास अपने स्वयं की सम्पति न हो तो, आपको किराये में एक कमरा लेना होगा जहाँ पर आप अपना उत्पादन प्रारम्भ कर सके। आपकों मटेरियल इत्यादि के मूल्य, आंकलन के गणना के लिए कौशल की आवश्यकता होगी।

श्रम दक्षता शास्त्र - (Ergonomics)

उद्देश्य- इस पाठ के अन्त मे आप निम्न के योग्य होगे

- **श्रम दक्षता शास्त्र की परिभाषा**
- **श्रम दक्षता शास्त्र के लाभों का वर्णन**
- **श्रम दक्षता शास्त्र के घटकों का उल्लेख ।**

श्रम दक्षता शास्त्र को मनुष्य कारक के नाम से भी जाना जाता है। जो मनुष्य (उपयोगकर्ता/कार्यकर्ता) तथा व्यवस्था के तत्व (कार्यस्थल का वातावरण) के बीच संबध और वैज्ञानिक समझ बूझ से मिलकर बना होता है।

श्रम दक्षता शास्त्र व्यवसायिक (Occupational) आरोग्य, सुरक्षा तथा उत्पादकर्ता को संबोधित करता है।

इसमें होता है।

- सुरक्षित फर्नीचर
- अंतरापृष्ठ (Interface) का आसानी से उपयोग
- यांत्रिकी का आसान उपयोग
- उपकरण का आसान रखरखाव

श्रम दक्षता का लाभ (Advantages of Ergonomics)

- यह व्यक्ति और तकनीक के बीच सामंजस्य को निर्धारित करता है।
- गतिविधि (जौब) तथा उस गतिविधि को पूरा करने के लिए गतिविधि उपयोगकर्ता की मांग के बीच संबध को निर्धारित करता है।
- उपयोग की गई सूचनाओं के प्रस्तुतिकरण को निर्धारित करना।

Copyright @ NIMI Not to be Republished

श्रम दक्षता निम्न अनुशासनों पर आधारित हैं

- मनुष्य और उसके आस-पास के वातावरण का अध्ययन
- मानवशास्त्री (Anthropometric) निरीक्षण
- जैव यंत्र नविज्ञान
- यांत्रिक (Mechanical) इंजीनियरिंग
- औधोगिक (Industrial) प्रारूप
- सूचना प्रारूप
- पेसी गति विज्ञान (विशेष रूप से मानव शरीर की गतिविधियों का विज्ञान)
- शरीर क्रिया विज्ञान
- संज्ञानात्मक मनोवैज्ञानिकता
- औधोगिक और संगठन मनोवैज्ञानिकता

श्रमदक्षता शास्त्र तीन मुख्य क्षेत्रों से तुलना करता है - (Ergonomics comprise of three main fields)

- शारीरिक (Physical)
- संज्ञानात्मक (Cognitive)
- संगठनात्मक श्रमदक्षता शास्त्र (Organization Ergonomics)

शारीरिक श्रमदक्षता शास्त्र में दृश्य श्रमदक्षता शास्त्र आता है। जो ग्राहक और औधोगिक उत्पाद के लिए उपयोग किये गये प्रारूप के सिद्वांतो पर निर्भर करता है।

संज्ञानात्मक श्रमदक्षता शास्त्र में उपयोगिता आती है। जैसे सिलाई मशीन या कंप्यूटर के साथ (उपयोगकर्ता) (User) का व्यवहार, जैसे अंतदृष्टि, याददाश्त तर्क सम्मान विचार और शीघ्र प्रतिक्रिया।

संगठन श्रमदक्षता शास्त्र में संगठन का ढाँचा और सामाजिक मनो वैज्ञानिक तकनीकी प्रक्रिया आती है। जैसे समूह कार्य करना, वास्तविक संगठन गुणवता प्रबंधन आदि।

श्रमदक्षता शास्त्र की कमजोरियाँ - (Weakness of Ergonomics methods)

- अधिक समय लगता है।
- अत्यधिक प्रयास की योजना बनानी पड़ती हैं
- लंबे समय तक अध्ययन अवधि की आवश्यकता होती है।
- प्रकृति में अनुदैर्ध्य (Longitudinal)

औजार और उपकरण - (Tools and Equipments)

उद्देश्य- इस पाठ के अन्त मे आप निम्न के योग्य होगे

- **विभिन्न प्रकार के औज़ार स्पष्ट करना**
  - **मापनेवाला औज़ार (Measuring Tools)**
  - **प्रारूप तैयार करने वाला औज़ार (Drafting Tools)**
  - **चिह्न बनाने वाला औज़ार (Marking Tools)**
  - **काटनेवाला औज़ार (Cutting Tools)**
  - **सीलने के लिए औज़ार (Sewing Tools)**

मापनेवाला औज़ार - (Measuring Tools)

लचीले फाइबर ग्लास या कपड़े के मेजरिंग टेप का उपयोग शरीर को नापनें, पैटर्न को नापने तथा खाके को नापने के साथ - साथ सामान्य नापों के लिये किया जाता है। क्पड़े का मेंजरिंग टेप कपड़े से बना होने के कारण अधिक समय तक उपयोग करने के बाद भी फैलता नही है। अर्थात उसकी लम्बाई में कोई अंतर नही आता इसमें सेंटी मीटर और इंच के निशान होते है। इसकी चौडाई 5 पाइंन्ट होती है। यह विज्ञान आधारित ज्ञान पर एक निश्चित नाप के रिबन से बना होता है। जिसका उपयोग टेलरिंग के लिये किया जाता है। (Fig 1)

Fig 1

मापनेवाला स्टैंड - (Measuring Stand)

इस स्टैंड का उपयोग लम्बे वस्त्र जैसे ओवर कोट, लेडिज नाइटी, गाउन आदि के लिए किया जाता है। साथ ही समृद्ध पोशाकों के घेरे को जॉचने के लिए भी किया जाता है। (Fig 2)

Fig 2

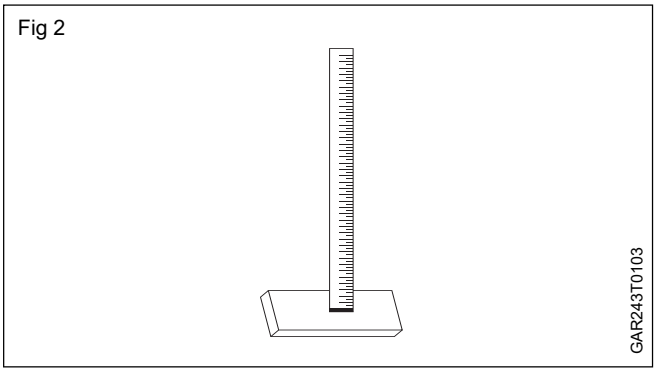

धातु का टेप - (Metal Tape)

यह सुविधजनक और लचीला टेप होता है जो किसी भी आकृति या रेखाचित्र को मापने के लिये प्रयुक्त होता है। यह लचीले धातु से बना होता है । (Fig 3)

Copyright @ NIMI Not to be Republished